खेत बचाओ अभियान। केवीके ने किसानों को किया जागरूक।डॉ खलील खान



निष्पक्ष पोस्ट/डॉक्टर कृष्ण मोहन त्रिपाठी

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिकों द्वारा 22 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2026 तक चलने वाले 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत ग्राम अनूपपुर विकास खंड मैथा के किसानों को जागरूक करने की पहल की।मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य में सुधार, जल संरक्षण तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना है।इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ दीपक मिश्रा एवं डॉ निमिषा अवस्थी ने किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती, मत्स्य संसाधन प्रबंधन एवं जलीय कृषि के विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही, किसानों की क्षमता निर्माण, जागरूकता तथा उन्नत तकनीकों के प्रदर्शन के माध्यम से वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने और किसानों की आय बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया।तकनीकी मार्गदर्शन के दौरान प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, मृदा की उर्वरता बनाए रखने तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त, मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि को आजीविका के वैकल्पिक साधनों के रूप में अपनाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। इन गतिविधियों का उद्देश्य कृषि एवं मत्स्य पालन के माध्यम से किसानों की आय के स्रोतों में विविधता लाना तथा ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर कृषि विभाग के प्रशान्त कुशवाहा, परमेश कमल सहित प्रगतिशील किसान एवं महिला किसान उपस्थित रहे।आप की राय 8318857659

प्रशासनिक सुधारों में यूपी देश के लिए मिसाल : जितेंद्र सिंह 02

नगर संस्करण

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

विश्ववार्ता

उत्तरप्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

वर्ष : 19 अंक : 272 | लखनऊ, शनिवार, 24 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ : 16, मूल्य: ₹4/- | www.vishwavarta.com | सेना के प्रशिक्षण से मजबूत होगा देश का नागरिक 16

खेत बचाओ अभियान के तहत केवीके ने किसानों को किया जागरूक



कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिकों ने खेत बचाओ अभियान के तहत ग्राम अनूपपुर विकास खंड मैथा के किसानों को जागरूक किया। 22 अक्टूबर से 30 नवंबर तक चलने वाले इस अभियान के तहत मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि इसका उद्देश्य संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य में सुधार, जल संरक्षण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. दीपक मिश्रा और डॉ. निमिषा अवस्थी ने किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती, मत्स्य संसाधन प्रबंधन और जलीय कृषि के विभिन्न पहलुओं पर तकनीकी मार्गदर्शन दिया। किसानों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, मृदा की उर्वरता बनाए रखने और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही मत्स्य पालन को आजीविका के वैकल्पिक साधन के रूप में अपनाने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। इस दौरान कृषि विभाग से प्रशांत कुशवाहा, परमेश कमल सहित प्रगतिशील किसान और महिला किसान उपस्थित रहे।

कुमार सदीप गुप्ता सठ साहत मडी समिति के कई व्यापारी

दैनिक आज कानपुर देहात 24/10/2026

खेत बचाओ अभियान के तहत वैज्ञानिकों ने किसानों को किया जागरूक

(आज समाचार सेवा)

कानपुर देहात, 23 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिकों द्वारा 22 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2026 तक चलने वाले 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत ग्राम अनूपपुर विकास खंड मैथा के किसानों को जागरूक करने की पहल की। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य में सुधार, जल संरक्षण तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ दीपक मिश्रा एवं डॉ निमिषा अवस्थी ने किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती, मत्स्य संसाधन प्रबंधन एवं जलीय कृषि के विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही, किसानों की क्षमता निर्माण, जागरूकता तथा उन्नत तकनीकों के प्रदर्शन के माध्यम से वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने और किसानों की आय बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। तकनीकी मार्गदर्शन के दौरान प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, मृदा की उर्वरता बनाए रखने तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त, मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि को आजीविका के वैकल्पिक साधनों के रूप में अपनाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। इन गतिविधियों का उद्देश्य कृषि एवं मत्स्य पालन के माध्यम से किसानों की आय के स्रोतों में विविधता लाना तथा ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर कृषि विभाग के प्रशान्त कुशवाहा, परमेश कमल सहित प्रगतिशील किसान एवं महिला किसान उपस्थित रहे।

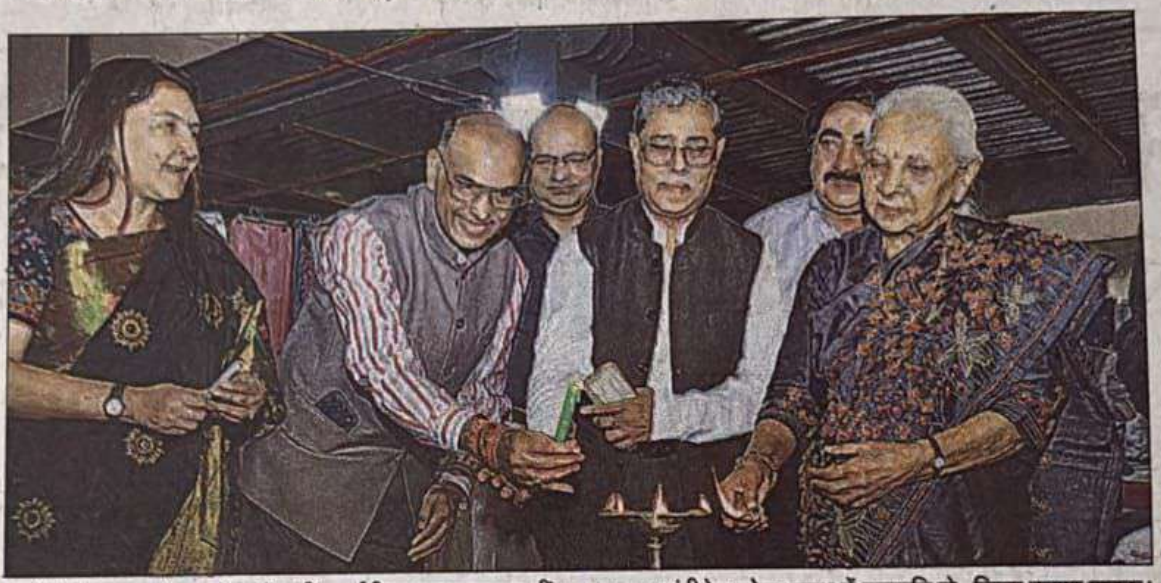
हिंदुस्तान 24/10/2026

सबको सरकारी नौकरी देना संभव नहीं: राज्यपाल

जेन जी से अपील

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा उच्च शिक्षा की डिग्री हासिल करने के साथ हुनरमंद होना भी जरूरी है। लाखों रुपये खर्च कर विश्वविद्यालयों से डिग्री लेने के बाद सभी को सरकारी नौकरी मिल जाए, यह संभव नहीं है। युवाओं को हुनर और कौशल पर भी ध्यान देना चाहिए लेकिन यह बात जेन-जी समझने को तैयार नहीं है।

उन्होंने कहा कि शोध और अकादमिक उपलब्धियों के लिए पीएचडी या डी-लिट जैसी उपाधियां दी जाती हैं। इसी तरह, पीढ़ियों से किसी विशेष कला को संरक्षित करने, विकसित करने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने वाले कारीगरों को भी ऐसी उपाधियों से सम्मानित करने पर विचार होना चाहिए। चुन्नीगंज स्थित कन्वेंशन सेंटर में क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी का शुभारंभ करने के बाद राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुभवी कारीगरों को आमंत्रित कर चार से पांच दिन की कार्यशालाएं करें। जरूरत के मुताबिक उन्हें प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के रूप में भी जोड़ा जाए, ताकि पारंपरिक हस्तशिल्प को बढ़ावा मिले। प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की व्यवस्था का उद्देश्य भी शिक्षा और उद्योग के बीच संबंध मजबूत करना है। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय ऐसे शिल्पकारों और कारीगरों को एक मंच पर लाएं, जो पीढ़ियों से पारंपरिक कला को सहेज रहे हैं।



चुन्नीगंज स्थित कन्वेंशन सेंटर में लगी प्रदर्शनी का उद्घाटन करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। साथ में कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक।

बुरादे के गहने P06